भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

खण्ड–XXIX अंक–1 15 जनवरी, 2024

बधाई (चयन/पदोन्नति)

स्थापना अनुभाग–1 से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार निम्नलिखित संकाय सदस्यों को उनके नाम के आगे दिए गए पद के लिए चयनित/पदोन्नत किया गया है–

संकाय सदस्य का नाम	पिछला पदनाम	नया पदनाम	विभाग/केन्द्र	वेतनमान
प्रो. (सुश्री) वर्षा सिंह	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	मानविकी एवं समाज विज्ञान	₹ 1,59,100–2,20,200 (लेवल–14ए)
प्रो. तपन कुमार गांधी	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	विद्युत इंजीनियरी	₹ 1,59,100–2,20,200 (लेवल–14ए)
प्रो. रविबाबू मुलाविसाला	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	सेन्स (SeNSE)	₹ 1,59,100–2,20,200 (लेवल–14ए)
प्रो. शिशिर देबनाथ	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	मानविकी एवं समाज विज्ञान	₹ 1,39,600–2,11,300 (लेवल–13ए2)
प्रो. प्रशान्त वांगला	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	सिविल इंजीनियरी	₹ 1,39,600–2,11,300 (लेवल–13ए2)
प्रो. शुभाशीष दत्ता	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	विद्युत इंजीनियरी	₹ 1,39,600–2,11,300 (लेवल–13ए2)
प्रो. दीपक उमाकान्त पाटिल	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	विद्युत इंजीनियरी	₹ 1,39,600–2,11,300 (लेवल–13ए2)
प्रो. अमोल चौधरी	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	विद्युत इंजीनियरी	₹ 1,39,600–2,11,300 (लेवल–13ए2)

स्वागत

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2023/227442 दिनांक 27.12.2023 के अनुसार **प्रो. संकल्प नाम्बियार** ने 16.10.2023 से संस्थान के रासायनिक इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर (ग्रेड-I) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. संकल्प नाम्बियार को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो, के लिए) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2023/227418 दिनांक 27.12.2023 के अनुसार **प्रो. श्रीनिवास मोगिली** ने 22.12.2023 से संस्थान के सिविल इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर (ग्रेड-I) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. श्रीनिवास मोगिली को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो, के लिए) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2023/228754 दिनांक 01.01.2024 के अनुसार **प्रो. कृष्णन मुरारी** ने 22.12.2023 से संस्थान के आप्टिक एवं फोटोनिक्स केन्द्र में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर (ग्रेड-I) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. कृष्णन मुरारी को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो, के लिए) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/U-3/2023/228709 दिनांक 01.01.2024 के अनुसार **प्रो. गुंडा नाग साई हर्षा** ने 22.12.2023 से संस्थान के पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर (ग्रेड-II) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. गुंडा नाग साई हर्षा को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो, के लिए) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/U-4/2024/229886 दिनांक 03.01.2024 के अनुसार **(सुश्री) यांगचेन रॉय** ने 01.01.2024 से संस्थान के मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग में अंग्रेजी भाषा अनुदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/U-4/2024/229849 दिनांक 03.01.2024 के अनुसार **डॉ. कृष्णनु नाथ** ने 28.12.2023 से संस्थान के विद्युत इंजीनियरी विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1 /2024/228732 दिनांक 03.01.2024 के अनुसार **डॉ. (सुश्री) प्रीति भण्डारी** ने 01.01.2024 से संस्थान के भौतिकी विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत अनिवार्य रुप से द्विभाषी जारी किए जाने वाले कागजात

1 सामान्य आदेश / General Orders
2 संकल्प / Resolution
3 परिपत्र / Circulars
4 नियम / Rules
5 प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन / Administrative or other reports
6 प्रेस विज्ञप्तियाँ / Press Release/ Communiques
7 संविदाएँ / Contracts
8 करार / Agreements
9 अनुज्ञप्तियाँ / Licences
10 निविदा प्रारुप / Tender Forms
11 अनुज्ञा पत्र / Permits
12 निविदा सूचनाएँ / Tender Notices
13 अधिसूचनाएँ / Notifications
14 संसद के समक्ष रखे जाने वाले / प्रतिवेदन तथा कागज पत्र / Reports and documents to be laid before the Parliament

राजभाषा हिन्दी के अनुसार राज्यों का वर्गीकरण

क्षेत्र क– बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड़, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र।

क्षेत्र ख– गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब राज्य तथा चंडीगढ़, दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र।

क्षेत्र ग– खंड (1) और (2) में निर्दिष्ट राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से भिन्न राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र।

संघ का राजकीय कार्य हिंदी में करने के लिए वर्ष 2023–2024 का वार्षिक कार्यक्रम

क्र. सं.	कार्य विवरण	"क" क्षेत्र	"ख" क्षेत्र	"ग" क्षेत्र
1.	हिंदी में मूल पत्राचार (ई–मेल सहित)	1.क क्षेत्र से क क्षेत्र को 100% 2.क क्षेत्र से ख क्षेत्र को 100% 3.क क्षेत्र से ग क्षेत्र को 65% 4.क क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति 100%	1. ख क्षेत्र से क क्षेत्र को 90% 2. ख क्षेत्र से ख क्षेत्र को 90% 3. ख क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% 4. ख क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति 90%	1. ग क्षेत्र से क क्षेत्र को 55% 2. ग क्षेत्र से ख क्षेत्र को 55% 3. ग क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% 4. ग क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य के क्षेत्र कार्यालय/व्यक्ति 55%
2.	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना	100%	100%	100%
3.	हिंदी में टिप्पण	75%	50%	30%
4.	हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम	70%	60%	30%
5.	हिंदी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	80%	70%	40%
6.	हिंदी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं एवं सहायक द्वारा)	65%	55%	30%
7.	हिन्दी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि)	100%	100%	100%
8.	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना।	100%	100%	100%
9.	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात हिंदी ई–पुस्तक, सीडी/डीवीडी, पैन ड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिन्दी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकों की खरीद पर किया गया व्यय।	50%	50%	50%
10.	हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में काम करने की सुविधायुक्त इलैक्ट्रोनिक उपकरणों जिनमें कम्प्यूटर भी शामिल है, की खरीद	100%	100%	100%
11.	वेबसाइट द्विभाषी हो	100%	100%	100%
12.	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्ड आदि द्विभाषी रूप में प्रदर्शित किये जाए।	100%	100%	100%
13.	(i) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों (उ.स./नि.दे./सं.स.) द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का प्रतिशत)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)
	(ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)
	(iii) विदेश में स्थित केन्द्र सरकार के स्वामित्व एवं नियंत्रण के अधीन कार्यालयों/उपक्रमों का संबंधित अधिकारियों तथ रा.भा.वि. के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण		वर्ष में कम से कम एक निरीक्षण	
14.	राजभाषा संबंधी बैठकें			
	(क) हिंदी सलाहकार समिति		वर्ष में 02 बैठकें	
	(ख) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति		वर्ष में 02 बैठकें (प्रति छमाही एक बैठक)	
	(ग) राजभाषा कार्यान्वयन समिति		वर्ष में 04 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक)	
15.	कोड, मैनुअल, फॉर्म, प्रक्रिया साहित्य का हिंदी अनुवाद	100%	100%	100%
16.	मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों के ऐसे अनुभाग जहां संपूर्ण कार्य हिन्दी में हो	40%	30%	20%

संस्थान में ''राजभाषा नीति एवं उसका कार्यान्वयन'' पर कार्यशाला–एक संक्षिप्त रिपोर्ट

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसरण में गृह मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय द्वारा समय–समय पर राजभाषा हिन्दी के संबंध में कार्यशाला एवं विचार–विमर्श संगोष्ठी इत्यादि आयोजित करने के लिए निर्देश जारी किए जाते हैं, इसी का अनुपालन करते हुए संस्थान में 21 दिसम्बर, 2023 को **''राजभाषा नीति एवं उसका कार्यान्वयन''** विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में लगभग 45 अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित नोडल अधिकारियों ने भागीदारी की।

सर्वप्रथम डॉ. नीरज चौरसिया (अध्यक्ष, हिन्दी कक्ष) ने पौधा भेंट करके कार्यवाहक उप निदेशक (प्रचालन) प्रो. आदित्य मित्तल तथा श्री अतुल व्यास (कुलसचिव) का स्वागत किया। इसके उपरान्त कार्यशाला के अध्यक्ष एवं उप निदेशक (प्रचालन) (कार्यवाहक), प्रो. आदित्य मित्तल ने पौधा भेंट करके हमारे अतिथि वक्ता श्री कुमार पाल शर्मा का अभिनन्दन किया।

डॉ. चौरसिया ने कार्यशाला की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी में कार्य करने के प्रति प्रोत्साहित करना तथा मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों एवं लक्ष्यों को प्राप्त करना है। इस कार्यशाला का एक उद्देश्य पिछले कुछ वर्षों में संस्थान द्वारा नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी राजभाषा नीति संबंधी प्रावधानों व संघ की राजभाषा नीति से अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि हिन्दी में कार्य करना हमारा प्रशासनिक दायित्व है। आज की इस कार्यशाला में हम तिमाही प्रगति रिपोर्ट तथा संविधान में राजभाषा की स्थिति पर चर्चा करेंगे। आपने प्रो. आदित्य मित्तल को कार्यशाला में अपना बहुमूल्य समय एवं हिन्दी कक्ष को लगातार सहयोग देने के लिए धन्यवाद दिया।

इसके उपरान्त डॉ. नीरज चौरसिया ने कार्यशाला के अध्यक्ष, प्रो. आदित्य मित्तल को अध्यक्षीय सम्बोधन के लिए आमंत्रित किया। प्रो. आदित्य मित्तल ने कहा कि इस कार्यशाला में श्री कुमार पाल शर्मा उप निदेशक (कार्यान्वयन) गृह मंत्रालय, भारत सरकार) की उपस्थिति हमारे लिए गर्व का विषय है। श्री कुमार पाल शर्मा पिछले लगभग 35 वर्षों से राजभाषा से जुड़े हुए हैं तथा इस क्षेत्र में आपका ज्ञान अपार है। आपने आशा वक्त की कि आज यहां उपस्थित प्रतिभागी निसंदेह अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त करेंगे तथा भारत सरकार के राजभाषा संबंधी लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेंगे। इसके उपरान्त प्रो. मित्तल ने कार्यशाला के अतिथि वक्ता श्री कुमार पाल शर्मा जी को आमंत्रित किया।

श्री कुमार पाल शर्मा जी ने प्रो. मित्तल, डॉ. नीरज चौरसिया, श्री अतुल व्यास तथा उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दी। आपने अनौपचारिक माहौल बनाते हुए बहुत ही सरल, सहज तरीके से राजभाषा के विविध प्रावधानों, संविधान के अनुच्छेद 53 में निहित सरकारी कर्त्तव्यों के प्रति शपथ सहित राजभाषा के अनुच्छेद 343 से 351 तक, राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा नियम 1976, राजभाषा नीति, राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम तथा तिमाही प्रगति रिपोर्ट के प्रत्येक बिन्दु पर चर्चा की। सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह एवं मनोयोग से श्री कुमार पाल शर्मा को सुना तथा अपने प्रश्न पूछकर समस्याओं का निवारण भी किया।

संस्थान कुलसचिव श्री अतुल व्यास ने राजभाषा नियमों/राजभाषा संबंधी प्रावधानों की जानकारी प्रदान करने पर अतिथि वक्ता को धन्यवाद दिया तथा आशा व्यक्त की कि सभी कर्मचारी यहां से प्राप्त जानकारी को अपनी प्रशासनिक दिनचर्या व कार्यों में शामिल करेंगे।

अंत में श्रीमती इन्द्रमणि (उप तकनीकी अधिकारी) ने कार्यवाहक उप निदेशक (प्रचालन), संस्थान कुलसचिव, अतिथि वक्ता, अध्यक्ष (हिन्दी कक्ष) एवं सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला में भागीदारी के लिये धन्यवाद देते हुए कार्यशाला का समापन किया।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com